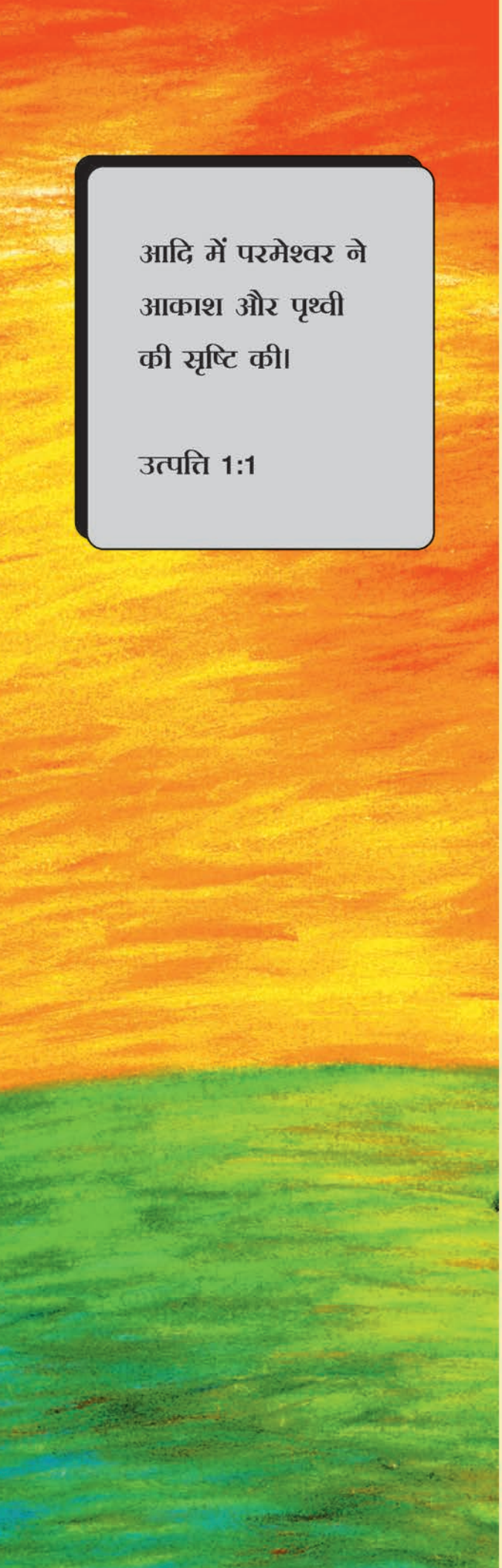

आदि में परमेश्वर ने
आकाश और पृथ्वी
की सृष्टि की।

उत्पत्ति 1:1

THE BEGINNING OF ALL CREATION
सृष्टि का प्रारंभ

समय के प्रारंभ से पहले न ऊंचे पेड़ थे, न विशालकाय पर्वतमालाएं और न ही तारों-भरा आकाश था। केवल परमेश्वर ही विद्यमान था। अपने सत्य वचन, बाइबल के द्वारा परमेश्वर हमें इन बातों के बारे में बताता है।

परमेश्वर ने शून्य से स्वर्ग और पृथ्वी की सृष्टि की। परंतु संसार आकारहीन और सूना था। तब परमेश्वर ने कहा, "उजियाला हो!" और उजियाला हो गया। हम देखते है कि परमेश्वर सर्वशक्तिमान है और अपने सर्वसामर्थी वचन के प्रयोगमात्र से उसने स्वर्ग और पृथ्वी में पाई जाने वाली हर वस्तू की रचना की।

परमेश्वर ने छह सामान्य दिनों में संपूर्ण जगत की सृष्टि की। यह सही है, इन सबको बनाने में उसको करोड़ों साल नही लगे। परमेश्वर का वचन, बाइबल, सृष्टि के उन छह दिनों की पुष्टि करता है, जब हम पढ़ते हैं, "तथा साँझ हुई फिर भोर हुआ। इस प्रकार पहिला दिन हो गया।" इस प्रकार उन छह दिनों में, हर दिन के बाद ऐसा ही लिखा हुआ है। प्रत्येक दिन, परमेश्वर ने कहा, "ऐसा ही हो", और उस के सर्वसामर्थी वचन के द्वारा जिन चीजों की सृष्टि हुई वे हैं उजियाला, स्वर्ग, धरती, समुद्र, नदियां हरे पेड़ और पौधे, सूर्य, चंद्रमा, और तारे, मछलियां, घरेलू और वनपशु। परमेश्वर के हर कार्य और रचना में एक निश्चित तारतम्य था।

परंतु प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ जीव की सृष्टि छठवें दिन हुई। वह नर और नारी थे। नर और नारी कई कारणों से विशेष है। आदम, जो प्रथम मनुष्य है, परमेश्वर के द्वारा धरती की मिट्टी से बनाया गया। और प्रथम नारी, हव्वा, परमेश्वर के द्धारा आदम की एक पसली से बनाई गई। सचमुच, वे अद्भुत रीति से बनाए गए।

मनुष्य इसलिए भी विशेष है क्योंकि वह परमेश्वर के स्वरूप में रचा गया। इसका यह अर्थ नहीं कि मनुष्य का रूप परमेश्वर के जैसा है। मनुष्य परमेश्वर के जैसा नहीं दिख सकता, क्योंकि परमेश्वर आत्मा है। परमेश्वर के पास मांस और हड्डियाँ नहीं है जैसा मनुष्य के पास है। परमेश्वर के स्वरूप में रचे जाने का अर्थ है, कि सृष्टि के आरंभ में मनुष्य, परमेश्वर की तरह संपूर्ण था, वह पापरहित और परमेश्वर का पूर्ण ज्ञान रखता था। जब परमेश्वर ने सृष्टि की रचना समाप्त की, तब उसने कहा कि वे सब "बहुत अच्छा" है।

मनुष्य को शरीर देने के अलावा परमेश्वर ने उसे जीवित आत्मा भी प्रदान की। परमेश्वर ने केवल मानवजाति को ही एक शरीर और आत्मा प्रदान की, अन्य किसी प्राणी के पास ऐसी आत्मा नहीं हैं।

विशेष रूप से बनाए जाने और परमेश्वर के स्वरूप में रचे जाने के अलावा मनुष्य को पृथ्वी और उस में की हर एक वस्तु पर शासन करने का अधिकार दिया गया, सागर की मछलियों, वायु में उड़ने वाले पक्षियों, घरेलू जानवर, धरती और उस में रहने वाले हर जीवति प्राणी के देख-रेख का भार मनुष्य को सौंपा गया। परमेश्वर ने मनुष्य को कितना बड़ा उत्तरदायित्व सौपा था।

परंतु आज, पापों के कारण मानवजाति, परमेश्वर की सृष्टि की देखभाल नहीं करते, जिस प्रकार उन्हे करना चाहिए।

हम परमेश्वर के बनाए हुए इस सुंदर संसार का दुरूपयोग करते हैं। हम हवा को गहरे धुएँ से प्रदूषित कर देते हैं, नदियो ं के जल को दूषित और प्रदूषित पानी से गंदा कर देते हैं, हम अपने शहरों और ग्रामीण प्रदेशों को गंदगी बिखरा कर खराब कर देते हैं। हम जगंली जानवरों का शिकार करते है तथा पेड़ों को काटते है और उनके स्थान पर नए पौधे लगाने का विचार नहीं करते।

हम परमेश्वर की सृष्टि के अच्छे रखवाले साबित नहीं हुए, जैसा कि हमको होना चाहिये था। हमारा संसार वो सुंदर सृष्टि नहीं है जिसकी रचना परमेश्वर ने की थी।

न ही हम अपने शरीर के अच्छे रखवाले हैं। हम अपने शरीर का दुरूपयोग करते हैं जब हम खान-पान और धूम्रपान की अति करते है। नशीले पदार्थों के द्वारा हम अपने शरीर को नष्ट करते है। हम संम्पुर्ण पवित्र प्राणी नहीं है जैसा परमेश्वर ने हमें बनाया था।

अपने शरीरों और इस संसार का दुरूपयोग और उस पर अत्याचार करने के स्थान पर हमें परमेश्वर का आभारी रहना चाहिए। अपने स्वास्थ्य के लिए उसे धन्यवाद देना चाहिए। हमें अपने शरीरों की अच्छी देखभार करनी चाहिए। हमें परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए क्यों कि हम भयानक और अद्‌भुत रीति से रचे गए है। कोई अन्य प्राणी हमारी तरह नहीं सोच सकता। कोई अन्य प्राणी हाथों का प्रयोग नहीं कर सकता जैसा हम कर सकते हैं। किसी अन्य प्राणी के पास आत्मा नहीं, जैसी हमारे पास है।

वह आत्मा परमेश्वर की ओर से उपहार है। परमेश्वर के पुत्र, यीशु मसीह पर विश्वास रखने के द्वारा, हमारी आत्मा, एक दिन परमेश्वर के पास लौट जाएगी, जिसने हमें आत्मा दिया है। आइए हम परमेश्वर की स्तुति में, अपनी आवाजों को उठा कर कहें, ''परमेश्वर का धन्यवाद हो, क्योंकि वह भला है।''

आगे अध्ययन के लिये अपने बाइबल में उत्पत्ति के पहले और दूसरे अध्याय को पढ़े।

तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, नर और नारी करके उसे ने मनुष्यों की सृष्टि की

उत्पत्ति 1:27

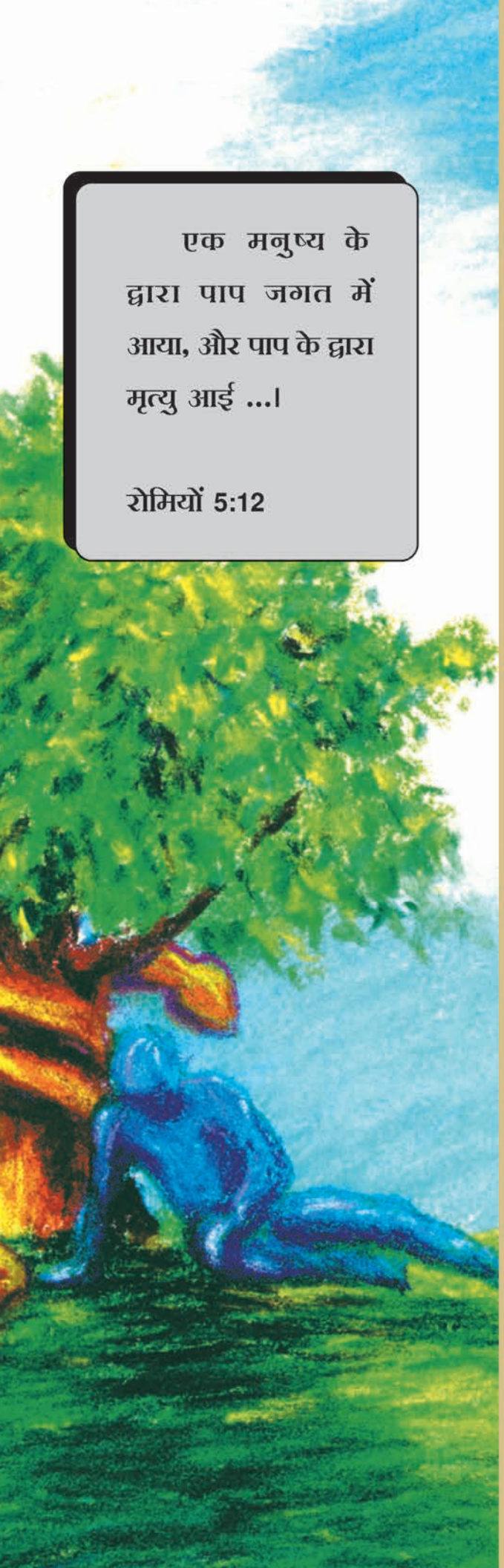

एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई ...।

रोमियों 5:12

THE PROMISE IS MADE
वाचा बाँधी गई

जब परमेश्वर ने नर और नारी को बनाया, तब उन्हें जीवन में निश्चित भूमिका प्रदान की। उसने पति को परिवार का मुखियाँ करके नियुक्त किया तथा पत्नी को उसका उपयुक्त सहयोगी बनाया। परंतु आदम, हव्वा के द्वारा पाप में गिर गया, जो कि शैतान द्वारा बहकाई गई थी। इसके कारण संसार और मानव जाति को भयानक परिणामों का सामना करना पड़ा। आइए हम जाने कि ये सब कैसे हुआ।

संसार की सृष्टि के बाद परमेश्वर ने हमारे प्रथम माता-पिता को एक सुंदर बाग (बगीचा) में रखा। यह बाग, अदन की बारी के नाम से जाना जाता है। वह सचमुच एक अच्छी जगह रही होगी। आंखों को अच्छे लगनेवाले और खाने के लिए उपयुक्त फल देने वाले, हर प्रकार के पेड़ वहां उगा करते थे। मनुष्यों, जानवरों और पेड़ पौधों को जल देनेवाली एक नदी, उस बाग में बहा करती थी। आदम और हव्वा अत्यंत प्रसन्न थे। तब कार्य करना बोझ नहीं परंतु आनंद से भरपूर था।

परंतु, परमेश्वर ने आदम को एक आदेश दिया था। परमेश्वर ने उसको बाग के बीचों-बीच स्थित उस वृक्ष से फल खाने को मना किया था, जो भले और बुरे के ज्ञान का वृक्ष था। परमेश्वर ने कहा था कि यदि आदम उस वृक्ष के फल को खाएगा तो अवश्य ही मर जाएगा।

तब शैतान जो कि एक पापी स्वर्गदूत था, उस स्थान में प्रवेश किया। उसने हव्वा से सवाल किया। शैतान ने हव्वा के मन में परमेश्वर के वचनों के खिलाफ संदेह पैदा कर दिया। उसने हव्वा से झूठ भी कहा। हव्वा को ललचाते हुए शैतान ने कहा, ''तुम नहीं मरोगी परमेश्वर जानता है कि जब तुम उस भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष से फल तोड़ कर खाओगे, तब तुम स्वयं परमेश्वर की नाई बन जाओगे।'' तब हव्वा ने देखा कि उस पेड़ का फल खाने के लिए अच्छा है। उसने कुछ फलों को तोड़ कर खा लिया। उसने आदम को भी कुछ फल खाने को दिए। आदम ने भी वो फल खाए। उन्होंने पाप किया था। जिस के कारण उन्होंने स्वयं पर और इस संसार पर परमेश्वर के दण्ड को आमंत्रित किया था। तुरंत ही वे आत्मिक रूप से मर गए और बाद में शरीरिक रूप से भी।

आदम और हव्वा के पाप में गिर जाने का प्रमाण, तब और आज भी हम में से प्रत्येक के जीवन में परिलक्षित होता है।

आप और हम, अब परमेश्वर के स्वरूप को खो चुके हैं। अब हम पापरहित नहीं रहे, परंतु पापी बन गए है। अब हम परमेश्वर का सम्पुर्ण ज्ञान नहीं रखते।

परमेश्वर इन सब घटनाओं को जानता था। उसने आदम और हव्वा को सजा देने के लिए अदन के बाग से बाहर निकाल दिया। परमेश्वर ने आदम से कहा कि अब जीवन में उसको कठिन परिश्रम करना होगा। यह परिश्रम उस के लिए दुखभरा होगा। और आज ऐसा ही है, क्या नहीं? आदम के खेतों में कांटे और ऊंटकटारे उगा करेंगे और आज ऐसा ही है। क्या नहीं? परमेश्वर ने आदम से कहा, कि उसका शरीर फिर मिट्टी में मिल जाएगा, जिसके द्वारा वह सृजा गया था। आज हमारे शरीर भी मिट्टी में मिल जाते हैं। जब हमारी मृत्यु होती है क्या ऐसा ही नहीं है? परमेश्वर ने हव्वा से कहा, कि वह अत्यंत पीड़ा में सन्तान को जन्म देगी, और ऐसा ही हैं, है ना? परमेश्वर ने उससे कहा, कि उसका पति उस पर प्रभुता करेगा। और आज ऐसा ही है।

परंतु परमेश्वर सिर्फ एक न्यायी ईश्वर नहीं है, परंतु दयालु और क्षमा करनेवाला ईश्वर भी है। उसने आदम और हव्वा और हम सब पापियों को एक अद्भुत और धन्य प्रतिज्ञा दी। परमेश्वर ने हमारे लिए एक उद्धारकर्ता भेजने की प्रतिज्ञा की। उसने कहा, कि वह उद्धारकर्ता, शैतान की शक्ति को नाश करेगा। परंतु इस प्रक्रिया में, उसे मोल चुकाना होगा। वह उद्धारकर्ता, जिसकी प्रतिज्ञा, इतने समय पहले की गई वह और कोई नहीं परंतु परमेश्वर का पुत्र यीशु मसीह है। दुख सहने, क्रूस पर प्राण त्यागने और पुनरूत्थान के द्वारा उसने मानवजाति को पाप के बोझ, मृत्यु के भय और शैतान की शक्तियों से मुक्त किया है।

आपको और मुझे उस उद्धारकर्ता की आवश्यकता है। हम इस संसार में पापी मनुष्य जाति के रूप में जन्म लेते हैं यह पापपूर्ण दशा हमें अपने प्रथम माता-पिता आदम और हव्वा से विरासत में मिली है। फिर रोजमर्रा के जीवन में हम अनेकों पाप करते रहते है। हम परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने में असफल रहते हैं। जब कभी हम झूठ बोलते, चोरी करते, मन में बूरी इच्छाएं पालते या अन्य वस्तुओं को परमेश्वर से ज्यादा महत्व देते है, तब हम पाप करते हैं। हम पापपूर्ण विचार रखते हैं। हम पापपूर्ण वचन बोलते है हम पापपूर्ण कार्य करते हैं। परिणाम स्वरूप आप और मैं नरक में अनंत मृत्यु के योग्य है।

हमारी सांत्वना इस बात में है कि परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता भेजने की अपनी प्रतिज्ञा को पूरा किया है। हम बाइबिल के द्वारा उस उद्धारकर्ता को जान सकते है।

मानव के पाप में गिर जाने के बारे में अधिक जाने के लिए अपनी बाइबिल से उत्पत्ति की पुस्तक का तीसरा अध्याय पढ़ें।

और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश और इसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा।

उत्पत्ति 3:15